false and baseless. However in keeping with usual diplomatic practice, Shri Wahi and family returned to India on October 31, 1996.

The assault on Shri Wahi was in apparent retaliation for the apprehension of a Pakistan High Commission official in Delhi on 25th October, 1996 while
accepting defence-related documents irom an Indian contact. The Pakistani official was declared persona non grata.

The Government of India conveyed its deepest concern to the Pakistani authorities at this criminal incident. The Pakistan High Commissioner was summoned to the Ministry of -External Affans twice and was informed that this abhorrent action was in flagrant violation of all norms of accepted diplomatic practice and the India-Pakistan Code of Conduct for the Treatment of Diplomatic/Consular Personnel. It was demanded that Pakistan should take all necessary steps for the safety and security of our personnel in Islamabad. The same views were conveyed by our High Commission in Islamabad to the Pakistan Foreign office.

Regrettably, it appears that the Pakistani authorities are not taking effective measures to control the intimidating and criminal activities of their intelligence agencies against our officials in Islamabad. We have informed Pakistan that the recurrence of such incidents cannot but negatively impact on India-Pakistan relations.

बिहार में झंझारपुर एक्सचेंज में एस०टी०डी० सिस्टम

1257. **श्री राम देव भंडारी:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार टेलीफोन सर्किल के झंझारपुर एक्सचेंज में एस०टी०डी० सिस्टम आमतौर पर खराब रहता है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) अगस्त से अक्तूबर, 1996 की अवधि के दौरान जब एक्सचेंज खराब था तब एस०टी०डी० सिस्टम का माह-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस सिस्टम के सुचारु रूप से काम करने के लिए क्या प्रबंध किए गए हैं?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) एस०टी०डी० सेवाओं में अगस्त, 96 से 10 नवम्बर, 96 तक व्यवधान उत्पन्न हो गया था।

(ख) यह व्यवधान बिहार राज्य बिजली बोर्ड की 3-फेस इलेक्ट्रिक आपूर्ति से प्रेरण (इन्डक्शन) के कारण हो गया।

(ग) अगस्त, सितम्बर तथा अक्तूबर, 1996 के दौरान क्रमशः 292 घन्टे, 227 घन्टे तथा 223 घंटे के लिए एस०टी०डी० सेवाओं में व्यवधान हो गया था।

(घ) (i) बिहार राज्य बिजली बोर्ड की सहायता से 3-फेस इलेक्ट्रिक आपूर्ति के पावर-लोड का पुनः वितरण करके इसे संतुलित किया गया।

(ii) एक्सचेंज एम०डी०एफ० की अर्थिंग, के बल शीथ तथा 3-फेस ट्रांसफार्मर के न्यूट्रल में सुधार किया गया।

फिजी में भारतीयों के मानवाधिकारों का हनन

1258. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या फिजी में भारतीय मूल के निवासियों के मानवाधिकारों का हनन हो रहा है;

(ख) क्या सैनिक विद्रोह के बाद लागू संविधान के अनुसार भारतीय मूल के निवासियों को फिजी में उनकी संख्या के अनुपात में कहीं कम स्थान व अधिकार दिए गए हैं; और

(ग) सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल): (क) से (ग) सैना द्वारा प्रजातान्त्रिक रूप से चुनी हुई सरकार का तख्ता पलटने के बाद, 1990 में एक अन्तरिम संविधान लागू किया गया था। जिसमें फिजी के मूल निवासियों का राजनीतिक वर्चस्व स्थापित किया गया। यह संविधान 1997 तक वैध है। इसमें भारतीय मूल के फिजी राष्ट्रिकों के विरुद्ध निर्देशित जातिवाद और जातीय भेद-भाव को संस्थागत दर्जा प्रदान किया